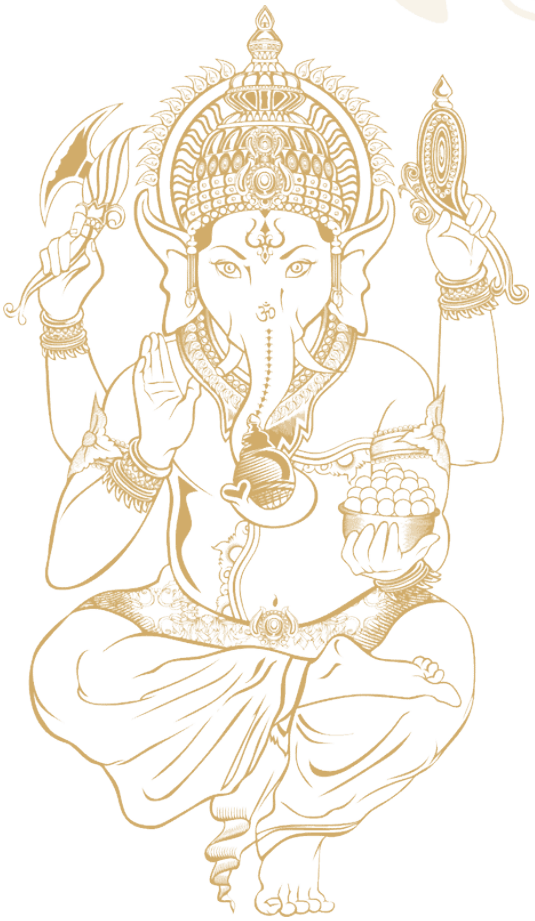

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/11/1994	जन्म तिथि	07/10/2001
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 16:40:00	जन्म समय	17:17:00 घंटे
घटी 24:44:47	जन्म समय(घटी)	27:41:25 घटी
India	देश	India
Sikandra Rao	स्थान	Hathras
27:42:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
78:21:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:36	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:05	सूर्योदय	06:13:39
17:21:31	सूर्यास्त	17:57:26
23:47:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:36

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 0वर्ष 6मा 22दि		29:49:11	मेष	लग्न		मीन	07:29:40	चन्द्र 4वर्ष 7मा 11दि	
चन्द्र		10:10:26	वृश्चि	सूर्य		कन्या	20:23:54	राहु	
19/06/2021		12:15:54	सिंह	चंद्र		वृष	17:10:48	20/05/2013	
19/06/2031		01:25:50	सिंह	मंगल		धनु	22:45:16	20/05/2031	
चन्द्र	19/04/2022	00:20:41	वृश्चि	बुध	व	तुला	03:47:14	राहु	31/01/2016
मंगल	18/11/2022	03:21:39	वृश्चि	गुरु		मिथु	20:42:48	गुरु	25/06/2018
राहु	19/05/2024	08:50:39	तुला	शुक्र		सिंह	26:14:02	शनि	01/05/2021
गुरु	18/09/2025	12:08:45	कुंभ	शनि	व	वृष	20:59:33	बुध	19/11/2023
शनि	19/04/2027	20:51:04	तुला	राहु	व	मिथु	06:16:14	केतु	06/12/2024
बुध	18/09/2028	20:51:04	मेष	केतु	व	धनु	06:16:14	शुक्र	07/12/2027
केतु	19/04/2029	29:51:21	धनु	हर्ष	व	मक	27:15:30	सूर्य	31/10/2028
शुक्र	18/12/2030	27:35:29	धनु	नेप	व	मक	12:08:48	चन्द्र	02/05/2030
सूर्य	19/06/2031	04:25:06	वृश्चि	प्लूटो		वृश्चि	19:12:16	मंगल	20/05/2031

लग्न-चलित

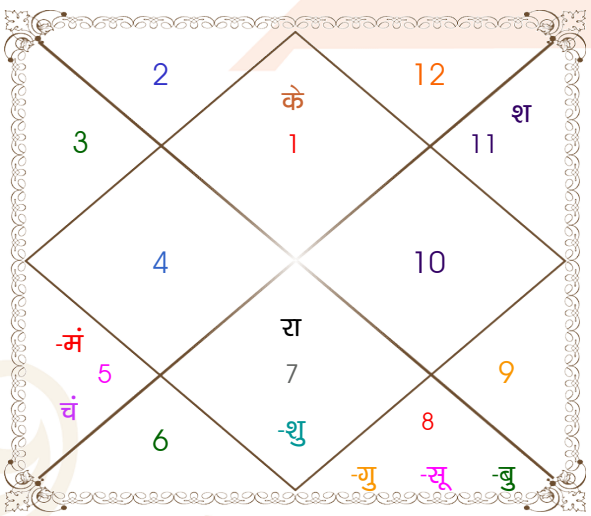

लग्न-चलित

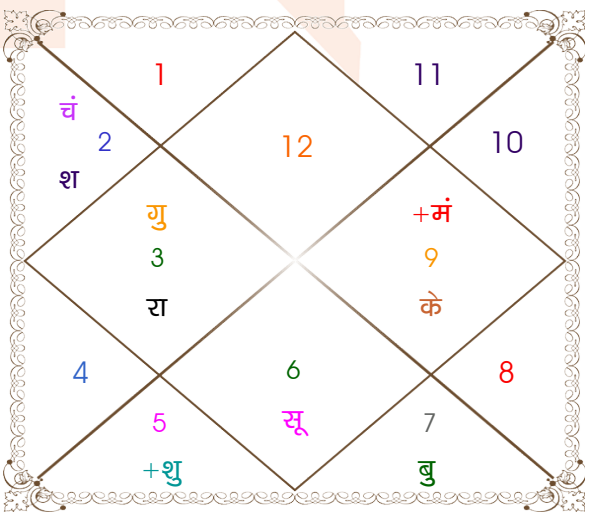

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	10.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।